vinetur

रूस का 'अमित्र' देशों से बीयर और स्पिरिट्स पर €5 प्रति लीटर शुल्क लगाने का प्रस्ताव

Reuters द्वारा उद्धृत मसौदा बजट सामग्री के मुताबिक, यह शुल्क 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और बीयर पर कर बोझ को काफी बढ़ा देगा।

बुधवार, 30 सितंबर 2026



Reuters के अनुसार, रूस उन देशों से बीयर और स्पिरिट्स के आयात शुल्क को, जिन्हें वह "अमित्र" कहता है, 1 जनवरी 2027 से €5 प्रति लीटर तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। Reuters ने देश के 2027-2029 के मसौदा बजट के लिए तैयार सामग्री का हवाला दिया।

बीयर के मामले में यह कदम मौजूदा शुल्क से तीन गुना से भी अधिक होगा। अभी यह शुल्क €1.5 प्रति लीटर है और प्रस्ताव के तहत बढ़कर €5 प्रति लीटर हो जाएगा। रूस ने यह दर आखिरी बार सितंबर 2025 में बढ़ाई थी। उससे पहले, उसने जनवरी 2025 में शुल्क को €0.1 प्रति लीटर से बढ़ाकर €1 प्रति लीटर किया था।

प्रस्तावित बदलाव का असर मजबूत शराब के आयात पर भी पड़ेगा। "अमित्र देशों" से आने वाली स्पिरिट्स, जो एक

रूसी वर्गीकरण है और व्यापक रूप से अधिकांश पश्चिमी देशों को शामिल करता है, फिलहाल उनके मूल्य के 20% शुल्क के अधीन हैं, साथ ही न्यूनतम €3 प्रति लीटर का प्रभार है। नए प्रस्ताव के तहत यह दर बढ़कर €5 प्रति लीटर हो जाएगी।

Reuters ने बताया कि स्पिरिट्स पर ऊंचा शुल्क 2027 से 2029 के बीच रूसी बजट में सालाना अतिरिक्त 10 अरब रूबल ला सकता है। वही बजटीय सामग्री यह भी दिखाती है कि रूसी अधिकारी 2027 में शराब और तंबाकू पर उत्पाद शुल्क 6.5% बढ़ाने की भी योजना बना रहे हैं।

यह प्रस्ताव रूसी सरकार के भीतर पहले हुई उन चर्चाओं के बाद आया है, जिनमें आयातित स्पिरिट्स पर न्यूनतम शुल्क बढ़ाने की बात हुई थी। रूसी कारोबारी दैनिक Kommersant ने वसंत ऋतु में रिपोर्ट किया था कि वित्त मंत्रालय 1 मई 2026 से €5 प्रति लीटर न्यूनतम शुल्क पर विचार कर रहा था, लेकिन वह बदलाव अपनाया नहीं गया। उस समय बाजार प्रतिभागियों ने कहा था कि इस कदम से रूसी-निर्मित कॉन्यैक और व्हिस्की की मांग को सहारा मिलने की उम्मीद थी।

बीयर बाजार पर नज़दीकी निगरानी रहने की संभावना है, क्योंकि रूस में मात्रा के लिहाज़ से शराब की खपत में बीयर का वर्चस्व है। Reuters ने Nielsen के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अप्रैल 2026 तक के 12 महीनों में रूस का शराब बाजार 1.2% सिकुड़ा। मात्रा के हिसाब से बीयर की हिस्सेदारी 85.2% थी, जबकि स्पिरिट्स और वोडका मिलाकर 11.2% थे। पहली तिमाही में आयातित बीयर की बाजार हिस्सेदारी 3.1% थी।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि भले ही आयातित बीयर रूसी बाजार का छोटा हिस्सा बनी हुई है, प्रस्तावित बढ़ोतरी फिर भी ब्रुअर्स, वितरकों और निर्यातकों के लिए अहम हो सकती है। €5 प्रति लीटर तक बढ़ोतरी रूस में विदेशी बीयर को अधिक महंगा बना देगी, जिससे यूरोपीय आपूर्तिकर्ताओं के मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है और शिपिंग तथा बिक्री रणनीतियों में बदलाव आ सकता है। यदि खुदरा विक्रेता अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं पर डालते हैं, तो यह मांग को घरेलू ब्रांडों की ओर और झुका सकता है।

पिछली शुल्क बढ़ोतरी पहले ही व्यापारिक मार्गों को प्रभावित कर चुकी है। The New Voice of Ukraine ने The Moscow Times का हवाला देते हुए रिपोर्ट किया कि कुछ आपूर्तिकर्ताओं ने लागत कम करने के लिए पिछली शुल्क वृद्धि के जवाब में शिपमेंट बेलारूस और कजाखस्तान के रास्ते मोड़ दिए थे। यदि नया शुल्क लागू होता है, तो बीयर व्यापार से जुड़ी कंपनियां फिर से वैकल्पिक लॉजिस्टिक्स चैनल तलाश सकती हैं, हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ऐसा कितना व्यापक रूप से होगा।

यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब रूस उन देशों के खिलाफ शुल्क और अन्य व्यापार अवरोधों का इस्तेमाल जारी रखे हुए है, जिन्हें वह शत्रुतापूर्ण मानता है। शराब के आयात उन क्षेत्रों में से एक बन गए हैं, जहां यह नीति सीधे लागतों के रूप में दिखाई दे रही है। खास तौर पर बीयर के लिए, बढ़ोतरी की गति तेज रही है। अगर नई योजना मंजूर हो जाती है, तो दो साल से भी कम समय में आयात शुल्क €0.1 प्रति लीटर से बढ़कर €5 प्रति लीटर हो गया होगा।

Reuters द्वारा उद्धृत बजटीय सामग्री में इस उपाय की अंतिम मंजूरी का उल्लेख नहीं किया गया, लेकिन प्रस्ताव अब तक की सबसे स्पष्ट समय-सीमा तय करता है, जिसमें 1 जनवरी 2027 को इच्छित आरंभ तिथि बताया गया है। रूस को अब भी निर्यात करने वाली पेय कंपनियों के लिए यह कदम ऐसे बाजार में और दबाव जोड़ेगा, जिसकी सेवा करना शुल्क, अनुपालन जोखिमों और बदलते परिवहन पैटर्न के कारण पहले से ही कठिन है।